

General Instructions

Read the following instructions very carefully and strictly follow them:

1. प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।
2. प्रश्न-पत्र दो खण्डों 'अ' तथा 'ब' में विभाजित है।
3. प्रश्न-पत्र के खण्ड 'अ' में बहुविकल्पीय प्रश्न हैं, जिसमें सही विकल्प का चयन करके OMR शीट पर नीले अथवा काले बॉल प्वाइंट पेन से सही विकल्प वाले गोले को पूर्ण रूप से काला करें।
4. खण्ड 'अ' में बहुविकल्पीय प्रश्न हेतु प्रत्येक प्रश्न के लिए अंक निर्धारित हैं।
5. प्रत्येक प्रश्न के सम्मुख उसके निर्धारित अंक दिये गये हैं।

1. 'रस मीमांसा' के लेखक हैं

- (1) महादेवी वर्मा
- (2) रामचन्द्र शुक्ल
- (3) 'निराला'
- (4) महावीर प्रसाद द्विवेदी

2. 'तितली' कृति की विधा है :

- (1) कहानी
- (2) जीवनी
- (3) उपन्यास
- (4) नाटक

3. डॉ॰ राजेन्द्र प्रसाद लेखक हैं :

- (1) गाँधी की देन के
- (2) हिन्दी - साहित्य का इतिहास के
- (3) इन्द्रजाल के
- (4) हिन्दी - साहित्य विमर्श के

4. 'साहित्य और कला' रचना है :

- (1) पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी की
 - (2) सुमित्रानन्दन पन्त की
 - (3) भगवतशरण उपाध्याय की
 - (4) जयप्रकाश भारती की
-

5. शुक्लोत्तर - युग के लेखक हैं :

- (1) राधाचरण गोस्वामी
 - (2) चतुरसेन शास्त्री
 - (3) दौलतराम
 - (4) धर्मवीर भारती
-

6. रीतिकालीन कवि हैं :

- (1) केदार भट्ट
 - (2) जायसी
 - (3) पद्माकर
 - (4) कृष्णदास
-

7. 'छत्रसाल दर्शन' के रचयिता हैं :

- (1) मतीराम
 - (2) भूषण
 - (3) घनानन्द
 - (4) 'हरिऔध'
-

8. 'तारसप्तक' के सम्पादक हैं :

- (1) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'
 - (2) नरेन्द्र शर्मा
 - (3) भवानीप्रसाद मिश्र
 - (4) केशव
-

9. सुमित्रानन्दन पन्त की रचना है :

- (1) 'ज्ञानदीप'
- (2) 'युगवाणी'
- (3) 'प्रेमवाटिका'

(4) 'क्षणदा'

10. 'स्मृति की रेखाएँ' साहित्य की विधा है :

- (1) जीवनी
 - (2) भेंटवार्ता
 - (3) संस्मरण
 - (4) नाटक
-

11. 'करुण रस' का स्थायीभाव है :

- (1) भय
 - (2) निर्वेद
 - (3) विस्मय
 - (4) शोक
-

12. 'पीपर पत सरिस मन डोला' में अलंकार है :

- (1) उत्प्रेक्षा
 - (2) रूपक
 - (3) उपमा
 - (4) यमक
-

13. "भुनि केवट के बैन, प्रेम लपेते अटपटे ।
बिसरे करूना ऐन, चितइ जानकी लखन तनु ।"
उपर्युक्त पंक्तियों में छन्द है :

- (1) रोला
 - (2) सौरठा
 - (3) सवैया
 - (4) कुण्डलिया
-

14. 'अनुचर' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग है :

- (1) अन
- (2) अनु
- (3) अ
- (4) आ

15. प्रत्यय के प्रकार हैं :

- (1) दो
- (2) चार
- (3) पाँच
- (4) तीन

16. 'वेद-पुराण' में समास है :

- (1) द्विगु
- (2) बहुव्रीहि
- (3) द्वन्द्व
- (4) तत्पुरुष

17. 'परमोद' शब्द का तत्सम रूप है :

- (1) पूमोद
- (2) प्रमुद
- (3) प्रमोद
- (4) प्रमाद

18. 'इत्यादि' में सन्धि है :

- (1) यण सन्धि
- (2) गुण सन्धि
- (3) वृद्धि सन्धि
- (4) जश्त्व सन्धि

19. 'फलेन' शब्द का वचन एवं विभक्ति है :

- (1) द्विवचन, चतुर्थी विभक्ति
 - (2) एकवचन, पञ्चमी विभक्ति
 - (3) बहुवचन, षष्ठी विभक्ति
 - (4) एकवचन, तृतीया विभक्ति
-

20. 'अपठम्' धातु का वचन एवं पुरुष है :

- (1) द्विवचन, उत्तम पुरुष
- (2) एकवचन, प्रथम पुरुष
- (3) बहुवचन, मध्यम पुरुष
- (4) एकवचन, उत्तम पुरुष

1A. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मित्रता के लिए यह आवश्यक नहीं है कि दो मित्र एक ही प्रकार के कार्य करते हों या एक की रुचि हो। इसी प्रकार प्रकृति और आचारण की समानता भी आवश्यक नहीं है। दो भिन्नप्रकृति के मनुष्यों में बराबर प्रीति और मित्रता रही है। राम धीमे और शान्त प्रकृति के थे, लक्ष्मण उग्र और उद्दाम प्रकृति के थे, पर दोनों भाइयों में अत्यन्त प्रगाढ़ स्नेह था। उदार तथा उच्चाचार कर्ण और लोभी दुर्योधन के स्वभाव में कुछ विशेष समानता नहीं थी पर उन दोनों की मित्रता खूब निबाही।

- (i) प्रस्तुत अवतरण के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।
- (ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
- (iii) प्रस्तुत गद्यांश में लेखक क्या कहना चाहता है ?

अथवा

1B. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

अजन्ता संसार की चित्रकलाओं में अपना अद्वितीय स्थान रखता है। इतने प्राचीन काल के इतने सजीव, इतने गतिमान, इतने बहुसंयत कथा-प्राण चित्र कहीं नहीं बने। अजन्ता के चित्रों ने देश-विदेश सर्वत्र की चित्रकला को प्रभावित किया। उसका प्रभाव पूर्व के देशों की कला पर तो पड़ा ही, मध्य-पूर्वीय एशिया भी उसके कल्पनात्मक प्रभाव से बन्धित न रह सका।

- (i) प्रस्तुत गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।
- (ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
- (iii) अजन्ता की कला का बाहर के देशों पर क्या प्रभाव पड़ा ?

2A. दिए गए निर्गुण-सम्बन्धी पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

निरगुण कौन देश को बासी ?

मधुकर कहि समुझाइ साँहि दे, बुढ़ाती साँच न हाँसी ।।

को है जनक, कौन है जननी, कौन नारि, को दासी ?

कोहे बरण, भेषहिं के कैसी, किहिं रस मैं अडिगलासी ?
पावोगी पुनि किया आपनो, जो रे करोगे गाँसी ।
सुनत मौन है रहयो बावरी, सूर सबै मति नासी ॥

- (i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।
 - (ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।
 - (iii) निर्गुण ब्रह्म के वर्णन में क्या कठिनाई व्यक्त की है ?
-

अथवा

2B. दिए गए पद्यांश (चींटी) पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

चींटी को देखा ?
वह सरल, विरल, काली रेखा ।
तन के ताले-सी जो हिल-डुल
चलती लघु पद पल्लव मिल-गुल
वह है पिपीलिका पाँति ।
देखो वह किस भाँति
काम करती वह सतत !
कण-कण कणके चुनती अविरत !

- (i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।
 - (ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।
 - (iii) कवि 'वह है पिपीलिका पाँति' के द्वारा जीवन के किस आदर्श की ओर संकेत करता है ?
-

3A. दिए गए संस्कृत गद्यांश (वाराणसी) का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

वाराणसी सुप्रसिद्धा प्राचीना नगरी । इयं विमलसलिलतस्य गङ्गायाः कूले स्थिताः । अस्याः घटटानां वरण्याकृतिः ; पङ्क्तितः धवलायां चन्द्रिकायां बहु रजते । आगन्तुकाः पर्यटकाः देशेषु : नित्यं अत्र आयान्ति, अस्याः घटटालानां शोभा विलोक्य इयं बहु प्रशंसिता ।

अथवा

3B. दिए गए संस्कृत गद्यांश (राजनीतिक संवाद) का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

आहा ! राष्ट्रदेवः ! यवनराज ! एकम् इदं भारतराज्यं, बहूनि चान्य राज्यानि, बहवश्च शासकाः । त्वं मैत्रीं इच्छसि, तान् विभज्य भारतं जेतुम् इच्छसि । आम्भीकिः चायं प्रत्यक्षं प्रणमामः ।

4A. दिए गए संस्कृत पद्यांश का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

अपदो दूरगामी च साक्षरो न च पण्डितः ।
अमूष् स्पुटवक्त्रा च यो जानाति स पण्डितः ॥

अथवा

4B. दिए गए संस्कृत पद्यांश का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

धान्यानामनुमतं किम् ? स धनानां स्वादु किमुत्तमम् ।
लाभानामुत्तमं किं स्यात् ? सुभगानां स्वादु किमुत्तमम् ॥

5(क). 'तूमूल' खण्डकाव्य के आधार पर (i) प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए ।
(ii) 'तूमूल' खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में लिखिए ।

5(ख). 'अमृतपूजा' खण्डकाव्य की (i) कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।
(ii) श्रीकृष्ण का चरित्रांकन कीजिए ।

5(ग). 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर (i) भरत का चरित्र-चित्रण कीजिए ।
(ii) किसी एक सर्ग का कथानक लिखिए ।

5(घ). 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर (i) कर्ण का चरित्रांकन कीजिए ।
(ii) तृतीय सर्ग की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

5(ङ). 'ज्योति - जवाहर' खण्डकाव्य के आधार पर (i) नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।
(ii) कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

5(च). 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के आधार पर (i) चन्द्रशेखर आज़ाद का चरित्र-चित्रण कीजिए ।
(ii) कथानक का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।

5(छ). 'भेवाड़ - मुकुट' खण्डकाव्य के आधार पर (i) महाराणा प्रताप का चरित्र-चित्रण कीजिए ।
(ii) किसी एक सर्ग की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

5(ज). 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के आधार पर (i) सुभाषचन्द्र बोस की चारित्रिक विशेषताओं पर प्र-

काश डालिए।

(ii) काव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए।

5(झ). 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के (i) नायक का चरित्रांकन कीजिए।

(ii) द्वितीय सर्ग की कथावस्तु लिखिए।

6(क). निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय दीजिए तथा उनकी किसी एक रचना का नामोल्लेख कीजिए :

(i) जयशंकर प्रसाद

(ii) डॉ० राजेन्द्र प्रसाद

(iii) भगवतशरण उपाध्याय

6(ख). निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का जीवन-परिचय दीजिए और उनकी एक प्रमुख रचना का नामोल्लेख कीजिए :

(i) तुलसीदास

(ii) महादेवी वर्मा

(iii) रामनरेश त्रिपाठी

7. अपनी पाठ्यपुस्तक से कण्ठस्थ किया हुआ कोई एक श्लोक लिखिए जो इस प्रश्न-पत्र में न आया हो।

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर संस्कृत में दीजिए :

(i) श्वेतकेतुः कस्य पुत्रः आसीत् ?

(ii) विश्वस्य भर्ता कः ?

(iii) आतुरस्य मित्त्रं कः भवति ?

(iv) चन्द्रशेखरः स्वपितुः नाम किम् अकथयत् ?

9. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए :

(i) स्वच्छ भारत अभियान

(ii) विज्ञान—वरदान या अभिशाप

(iii) पर्यावरण प्रदूषण की समस्या और समाधान

(iv) जनसंख्या वृद्धि की समस्या और समाधान

(v) विद्यार्थी जीवन में खेल का महत्व